रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

001

201 (HWB)

2017
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** तथा **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×5 = 10

धार्मिक शिक्षा के सन्दर्भ में धर्म को सीमित अर्थ में नहीं लिया जाना चाहिए। इसका अर्थ मानव–धर्म या विश्वधर्म है जो 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का भाव अपने में निहित रखता है। इसका अभिप्राय उस धर्म से है जो 'सर्वेभवन्तु सुखिनः, सर्वेसन्तु निरामयाः' का सन्देश देता है। धर्म एक उच्च मानवीय अनुशासन है जो व्यक्ति को संस्कारवान् बनाता है। अतः शिक्षा के स्वरूप को परिष्कृत करने के लिए हम जिस नैतिक शिक्षा की बात करते हैं उसे धर्ममूलक सांस्कृतिक परिवेश से जोड़कर प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे अपने समृद्ध सांस्कृतिक अतीत से वर्तमान को जोड़कर छात्रों को आगे बढ़ते हुए जीवन की उच्चतर उपलब्धियों का बोध कराना संभव होगा।

धर्म, जगत् के अस्तित्व का आधार है। धर्म, व्यक्ति को सही मार्ग पर लाने में एकमात्र सहायक है। 'धर्मो हि जगदाधारः'। इसलिए सामाजिक जीवन में व्याप्त भ्रष्टाचरण व अवमूल्यन से बचने के लिए शिक्षा में धार्मिक मूल्यों के समन्वयन की आवश्यकता है। धार्मिक संबोध के बिना व्यक्ति की शिक्षा पूर्ण नहीं हो सकती। सीमित स्वार्थ के वशीभूत होकर व्यक्ति अत्यन्त जघन्य कर्म करने से नहीं चूकता। इस प्रकार के शत्–शत् उदाहरण आज हमें सामाजिक एवं राष्ट्रीय जीवन में देखने और सुनने को मिलते हैं। विभिन्न विषयों की शिक्षा विषय–ज्ञान बढ़ाती है किन्तु नैतिक मूल्यों की स्थापना धार्मिक संबोधों के माध्यम से ही कराई जा सकती है।

अपने शैक्षिक विचारों के अंतर्गत गाँधी जी ने धार्मिक शिक्षा को अन्य विषयों के बराबर महत्व दिया है। उनके विचार से भारत जैसे देश में जहाँ पर संसार के अधिकतम धर्मों के अनुयायी मिलते हैं, धार्मिक शिक्षा का प्रबन्ध कठिन होगा, लेकिन हिन्दुस्तान को आध्यात्मिकता का दिवाला नहीं निकालना हो तो उसे धार्मिक शिक्षा को भी विषयों के शिक्षण के बराबर महत्व देना पड़ेगा। वस्तुतः धर्म को जाने बिना विद्यार्थी जीवन का निर्दोष आनन्द नहीं ले सकते। तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर सफलता का शिखर चूमने वाले छात्र भी बहुधा सामाजिक व राष्ट्रीय सरोकारों के निर्वहन में पीछे रह जाते हैं।

(क) वास्तविक धर्म क्या है ?

(ख) धर्म किस प्रकार जगत् के अस्तित्व का आधार है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) अन्य विषयों की शिक्षा और धार्मिक शिक्षा में मुख्य अन्तर क्या है ?

(घ) धार्मिक शिक्षा के सन्दर्भ में गाँधी जी के क्या विचार थे ?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

2. दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 10

(क) वन रहेंगे – हम रहेंगे

(i) वनों का स्वरूप (ii) वनों का मानव जीवन में महत्व

(iii) वन एवं पर्यावरण (iv) राज्य में वनों की वर्तमान स्थिति

(v) वन संरक्षण के उपाय

Downloaded from cclchapter.com

(ख) कृषि एवं ग्रामीण विकास :
(i) भारत एक कृषि प्रधान देश
(ii) ग्राम्य जीवन की विशेषताएँ
(iii) गाँवों की वर्तमान स्थिति का उत्पादन पर असर
(iv) ग्रामीण विकास में कृषि का महत्व

3. मिलावटी दूध की बिक्री के सम्बन्ध में किसी दैनिक समाचार–पत्र के सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए। (आ काल्पनिक नाम क ख ग है)

अथवा

आपके विद्यालय में खेल–सामग्री की भारी कमी है। आवश्यक सामग्री की सूची तैयार कर अपने प्रधानाचार्य उक्त सामग्री सुलभ कराने हेतु एक प्रार्थनापत्र तैयार कीजिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है)

4. (क) अकर्मक क्रिया किसे कहते हैं ? उदाहरण भी दीजिए।
यथा निर्देश उत्तर दीजिए –
(ख) लता प्रतिदिन पाठ पढ़ती है। (क्रिया विशेषण बताइए)
(ग) काम करो अथवा सो जाओ। (अविकारी शब्द छाँटिए)

5. निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए – 1×4
(क) कल विद्यालय में अवकाश था। (प्रश्नवाचक वाक्य में)
(ख) क्या आप विद्यालय गए थे ? (निषेधात्मक वाक्य में)
(ग) मोहन ने गीत गाया। (कर्मवाच्य में)
(घ) कवि द्वारा कविता रची गई। (कर्तृवाच्य में)

6. (क) कौन सा शब्द 'सागर' का समानार्थी नहीं है –
(i) पारावार (ii) रत्नाकर (iii) पंकज (iv) पयोधि
(ख) 'भ्रमर' का समानार्थी शब्द बताइए –
(i) सविता (ii) मधुप (iii) पतंग (iv) विहग

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2

(i) बादल, गरजो ! –
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ !
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल–कल्पना के–से पाले,
विद्युत-छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले !
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो –
बादल, गरजो !

(क) उक्त कविता के आधार पर मेघ के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।
(ख) बादल कवि के अन्दर नवजीवन का संचार कैसे करता है ?
(ग) कवि बादल से बरसने के स्थान पर गरजने को कहता है, क्यों ?

(ii) तुम्हारी यह दन्तुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि–धूसर तुम्हारे ये गात ....
छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण

(क) बच्चे की दन्तुरित मुसकान को कवि किस रूप में देखता है ?
(ख) बच्चे के धूलि–धूसर शरीर को देखकर कवि को कैसी अनुभूति होती है ?
(ग) इस कविता में बच्चे की मुसकान के सौन्दर्य को किन–किन बिम्बों के माध्यम से व्यक्त किया गया है

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2 =
(क) 'लक्ष्मण–परशुराम संवाद' के आधार पर लक्ष्मण की पराक्रमशीलता का वर्णन कीजिए।
(ख) 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं ? कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ?
(ग) 'आत्मकथ्य' कविता में कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था, उसे कविता में किस रूप में अभिव्यक्त किया है

Downloaded from cclchapter.com

9. (क) 'फसल' कविता में कवि के अनुसार फसल क्या है ? 2

(ख) माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी ? 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×2 = 4

(i) फादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे। कभी–कभी लगता है वह मन से संन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते जरूर मिलते–खोजकर, समय निकालकर, गर्मी, सर्दी, बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही। यह कौन संन्यासी करता है ? उनकी चिन्ता हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ़ बयान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते।

(क) 'फादर बुल्के मन से संन्यासी नहीं थे', इसका आशय समझाइए।

(ख) लेखक फादर बुल्के के किन गुणों से प्रभावित है ?

(ii) पिता के ठीक विपरीत थी हमारी बेपढ़ी–लिखी माँ। धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिताजी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित–अनुचित फरमाइश और ज़िद को अपना फर्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने जिन्दगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं ..... केवल दिया ही दिया। हम भाई–बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका ..... न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता।

(क) लेखिका की माँ किन बातों में उनके पिता से भिन्न थीं ?

(ख) माँ का बच्चों के प्रति त्याग और उनकी सहिष्णुता लेखिका के लिए आदर्श क्यों नहीं बन सके ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×2 = 4

(क) पठित पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत की दिनचर्या का वर्णन कीजिए।

(ख) सीमा पर तैनात फौजी ही देशप्रेम का परिचय नहीं देते। हम सभी अपने दैनिक जीवन में किसी न किसी रूप में देशप्रेम का भाव प्रकट कर सकते हैं– किन्हीं दो रूपों का उल्लेख कीजिए।

(ग) पठित पाठ के आधार पर बताइए कि वास्तविक अर्थ में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है ?

12. (क) 'नेताजी का चश्मा' कहानी किस विचार को रेखांकित करती है ? 3

(ख) पठित पाठ के आधार पर बताइए कि द्विवेदी जी ने क्या–क्या तर्क देकर स्त्री–शिक्षा का समर्थन किया ? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×3 = 6

(क) 'माता का अँचल' कहानी के आधार पर बताइए कि भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है ?

(ख) "नयी दिल्ली में सब था .... सिर्फ़ नाक नहीं थी।" कथन का आशय बताइए।

(ग) गंतोक में कतार में लगी श्वेत व रंगीन पताकाएँ किस बात की प्रतीक थीं ?

(घ) 'मैं क्यों लिखता हूँ ?' पाठ में लेखक को ऐसा क्यों लगता है कि प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है ?

खण्ड – 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा त्रीन प्रश्नान् पूर्ण वाक्येन उत्तरत – 2×3 = 6

(निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

आम् ! हरिद्वारम्, ऋषिकेशः, बदरीनाथः, केदारनाथः, अमरनाथः, इत्यादीनि स्थानानि प्रसिद्धानि। इदानीम् अपि बहवः मुनिवराः शान्ति प्राप्तुं तत्र गच्छन्ति। हिमालयः ईश्वरस्य काव्यरचना, प्रकृतेः क्रीडाङ्गणं, पुष्पाणां निधिः, औषधानां स्रोतः च।

(क) हिमालये कानि पुण्यस्थलानि प्रसिद्धानि ?

(ख) मुनिवराः शान्तिं प्राप्तुं कुत्र गच्छन्ति ?

(ग) हिमालयः कस्य काव्य रचना ?

(घ) हिमालयः केषां स्रोतः ?

Downloaded from cclchapter.com

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×2
(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

नीरक्षीरविवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः ।।

(क) नीरक्षीरविवेके कः भवति ?
(ख) हंसः कस्मिन् आलस्यं तनुषे ?
(ग) यदि हंसः नीरक्षीरविवेके आलस्यं तनुषे तर्हि किम् भविष्यति ?

16. पठित पाठाधारितान् त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3
(पठित पाठ के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)
(क) संसर्गजा किम् भवन्ति ?
(ख) चाणक्यः कस्य मन्त्री आसीत् ?
(ग) पार्वती कस्य पुत्री अस्ति ?
(घ) किं विना सुखस्य बोधः न भवति ?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं चत्वारि रिक्त स्थानानि पूरयत – 1×4
(निम्नलिखित दिये गये शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये)

शब्द सूची : भारतम्, हिमालयः, पुंसाम्, सताम्, शिष्यः, हरिद्वारम्

(क) परोपकाराय .... विभूतयः।
(ख) भारतस्य पर्वतेषु .... श्रेष्ठः।
(ग) .... मन्दिराणां नगरम् अस्ति।
(घ) विवेकानन्दः सम्पूर्ण .... अटितवान्।
(ङ) कौत्सः वरतन्तोः .... आसीत्।
(च) सत्सङ्गतिः कथय किं न करोति ....।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं त्रीन प्रश्नान् उत्तरत – 2×3
(निम्न प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए)
(क) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए) – सै + अकः , प्रति + उपकार
(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) – पावकः , ममैव
(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए)
पितरौ , पञ्चपात्रम्
(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्य उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत (निम्नलिखित पदों में उपसर्ग अलग कर लिखिए) –
पराजयः , अनुचरः
(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत –
(कोष्ठक में दिये गये शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)
(i) गंङ्गा भारतवर्षस्य .... श्रेष्ठा वर्तते। (नदीनाम् / नदीषु)
(ii) सीता .... सह वनं गच्छति। (रामस्य / रामेण)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण चतुर्णाम् वाक्यानां निर्माणं कुरुत – 1×4
(निम्न शब्दों में से किन्हीं चार का वाक्यों में प्रयोग कीजिए)
(क) प्रचारकः (ख) अमितः (ग) उपवने (घ) गायन्ति (ङ) उटजे (च) तथापि

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरुत – 2×2
(निम्न वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए)
(क) सभी छात्र विद्यालय को जायेंगे।
(ख) रमेश सुरेश का मित्र है।
(ग) गंगा हिमालय से निकलती है।

****

Downloaded from cclchapter.com